an>

Title: Demand for justice in Shimla rape case.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर): अध्यक्ष जी, आपने एक बहुत ही गंभीर मुद्दे पर आज मुझे अपनी बात रखने का अवसर दिया है, जिसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। जब दिनांक 16 दिसंबर, 2012 को 'निर्भया कांड' हुआ था, तब मैं आपके साथ विपक्ष का सदस्य था। उस समय जैसे पूरा देश एक तरह से थम गया था। हमारे मीडिया के मित्रों ने भी निर्भया को न्याय दिलाने में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाई। निर्भया को न्याय मिलते-मिलते 5 वÂर्ष लग गए, लेकिन उसके बाद भी ऐसे कांड कम नहीं हुए, बल्कि वे बढ़े हैं।

हिमाचल की गुड़िया मात्र 16 वर्ष की थी। वह दसवीं कक्षा की छात्रा थी। वह 4 जुलाई को स्कूल से अपने घर जाने के लिए निकली, लेकिन वह अपने घर नहीं पहुंच सकी। 6 जुलाई को उसकी लाश पास के जंगलों में पाई गई। उन जंगलों से उसकी चीख-पुकार दिल्ली की मीडिया और इस सदन तक नहीं पहुंच पाई। वो चिल्लाती रही, लेकिन भेड़िए उसके बलात्कार और हत्या में लगे रहे। उसकी आवाज दिल्ली की सड़कों से लेकर इस सदन के गलियारों तक नहीं पहुंच पाई। वहाँ की सरकार दो दिन के बाद जागती है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं बताना चाहूँगा कि 10 जुलाई तक उसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती। एस.पी. के बाद आई.जी. कार्रवाई करता है। उसके 11 दिनों के बाद जब सरकार अपने हाथ खड़े कर देती है, तब 15 तारीख को कहा जाता है कि सी.बी.आई. इसकी जाँच करे। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बोलिए न।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर: अध्यक्ष जी, किसी की बेटी मर गई। अगर यह मामला किसी और राज्य में हुआ होता, तो मैं एक चुना हुआ जन-प्रतिनिधि होने के नाते इस बात को चुपचाप सुनता। मैं इस पर राजनीति ...(व्यवधान) मेरे एक भी शब्द में न किसी सरकार का नाम आया है और न ही किसी व्यक्ति का नाम आया है। मैं एक बेटी को इंसाफ दिलाने की बात कर रहा हूँ। मैं इस पर आपका संरक्षण चाहता हूँ। एक बेटी शिमला के जंगलों में मारी गई। क्या मुझे उसके लिए यहाँ आवाज उठाने का अधिकार नहीं है? ...(व्यवधान) एक महिला होते हुए आप उसका विरोध कर रही हैं। कृपया आप ऐसा मत कीजिए। एक बेटी को न्याय दिलाने के लिए ...(व्यवधान) कल रात को एक को-अक्यूज़्ड को जेल में मार दिया गया। क्या इसके सबूत मिटाने का प्रयास किया जा रहा है? देश की सरकार उसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं करती है। मुख्यमंत्री जी अपनी वेबसाइट पर डालते हैं कि उन्होंने 5 लोगों को पकड़ लिया है। वे उन लोगों की फोटो डालते हैं। चंद घंटों के बाद उन लोगों को छोड़ दिया जाता है, क्योंकि पुलिस कहती है कि ये वे लोग नहीं हैं। सच्चाई क्या है? 4 तारीख को हुई घटना को आज 19 तारीख को पंद्रह दिनों के बाद भी यह सरकार दबाने का प्रयास कर रही है। मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या उस बेटी को न्याय दिलाना हमारी जिम्मेदारी है या नहीं है?

यह पहला मामला नहीं है। एक वन-कर्मी को मारकर पेड़ पर लटका दिया जाता है। तीन दिनों के बाद उसकी लाश मिलती है। हिमाचल प्रदेश की सरकार सोई हुई है। क्या उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए? मैं एक बेटी को न्याय दिलाने की बात कर रहा हूँ। हमारे पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री आदरणीय शांता जी और हम सभी सांसद इस विÂषय पर आपसे सहयोग मांगते हैं।

क्या एक बेटी को, क्या एक गुड़िया को न्याय मिलेगा या नहीं मिलेगा? क्या गुड़िया के साथ बलात्कार और उसकी हत्या करने वालों को देश सजा देगा या नहीं देगा? आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।...(व्यवधान) मैं मीडिया के मित्रों से भी कहता हूं, वह जंगलों में मरी होगी, उसकी हत्या की गई होगी, लेकिन आवाज को आप बुलंद करें। आज दिल्ली के गलियारों में उसकी चर्चा होगी, तब दोÂिषयों को सजा मिल पाएगी। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

डॉ. किरिट पी. सोलंकी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री निशिकान्त दुबे,

श्री रामस्वरूप शर्मा,

श्रीमती मीनाक्षी लेखी,

श्री लखन लाल साहू,

डॉ. वीरेन्द्र कुमार,

श्री वीरेन्द्र कश्यप एवं

श्री प्रताप सिम्हा को श्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

-

-